

Padma Shri



PROF. SANGHAMITRA BANDYOPADHYAY

Prof. Sanghamitra Bandyopadhyay is the Director of the Indian Statistical Institute. She is widely recognized for her contributions in the field of Computational Biology, Machine learning and Artificial intelligence. She is a role model and inspiration for many young scientists around the world, especially the women scientists.

2. Born on 17th April 1968, Prof. Bandyopadhyay did her schooling in different cities of India. She completed her B. Sc. in Physics from the erstwhile Presidency College in Calcutta, now Presidency University, after which she did her B Tech, M Tech and Ph. D. in Computer Science from Calcutta University, IIT Kharagpur and Indian Statistical Institute, respectively. She joined the Indian Statistical Institute as a faculty member in 1999.

3. Prof. Bandyopadhyay became the Director in 2015. During her tenure the Institute has been focusing on establishing strong connects with external agencies and industry, and on research and teaching with an applied perspective, besides theoretical studies for which the Institute is already world-renowned. She has initiated several new courses, research programs and centres of excellence particularly in areas of machine learning, artificial intelligence, computational and statistical biology, security, cryptology, economics of climate and energy, to name a few.

4. The research interests of Prof. Bandyopadhyay include artificial intelligence, machine learning, computational biology and multiobjective optimization. She has authored/co-authored several books and more than four hundred articles in journals, book chapters, and conference proceedings and has a citation h-index of 57 as per Google Scholar. She has worked in and collaborated with many Institutes and Universities worldwide. Her students are also working in top institutions in India and abroad, with most of them choosing to pursue careers in research and academia.

5. Prof. Bandyopadhyay is the recipient of several awards including the Shanti Swarup Bhatnagar Prize in Engineering Science; TWAS Prize; Infosys Prize; JC Bose Fellowship; Swarnajayanti fellowship; INAE Silver Jubilee award; INAE Woman Engineer of the Year award (academia); National Women Bioscientist Award (Young) from DBT, IIT Kharagpur Distinguished Alumni Award; Humboldt Fellowship from Germany; Senior Associateship of ICTP; Italy, young engineer/scientist awards from INSA; INAE and ISCA and Dr. Shanker Dayal Sharma Gold Medal and Institute Silver from IIT, Kharagpur, India. She is a Fellow of the Indian National Science Academy (INSA); National Academy of Sciences, India (NASI); Indian National Academy of Engineers (INAE); Institute of Electrical and Electronic Engineers (IEEE); The World Academy of Sciences (TWAS); International Association for Pattern Recognition (IAPR) and West Bengal Academy of Science and Technology. She has served on several apex level committees at the national level and currently serves as a member of the Science, Technology and Innovation Advisory Council of the Prime Minister of India (PM-STIAC).

पद्म श्री



प्रो. संघमित्रा बंधोपाध्याय

प्रो. संघमित्रा बंधोपाध्याय भारतीय सांख्यिकी संस्थान की निदेशक हैं। वे कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विख्यात हैं। वह दुनिया भर के कई युवा वैज्ञानिकों, विशेषकर महिला वैज्ञानिकों के लिए आदर्श और प्रेरणा बन चुकी हैं।

2. 17 अप्रैल, 1968 को जन्मी, प्रो. बंधोपाध्याय ने अपनी स्कूली शिक्षा भारत के विभिन्न शहरों में प्राप्त की। उन्होंने अपनी बी. एससी की डिग्री कलकत्ता के तत्कालीन प्रेसीडेंसी कॉलेज जिसे अब प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाता है, से भौतिक विज्ञान में पूरी की और उसके बाद उन्होंने क्रमशः कलकत्ता विश्वविद्यालय, आईआईटी खड़गपुर और भारतीय सांख्यिकी संस्थान से कंप्यूटर विज्ञान में बीटेक, एम. टेक और पीएच.डी की डिग्री हासिल की। उन्होंने वर्ष 1999 में फ़ैकल्टी मेम्बर के रूप में भारतीय सांख्यिकी संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया।

3. प्रो. बंधोपाध्याय वर्ष 2015 में निदेशक बनीं। उनके कार्यकाल के दौरान संस्थान सैद्धांतिक अध्ययन, जिसके लिए संस्थान पहले से ही विश्व प्रसिद्ध है, के अलावा व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ अनुसंधान और शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, बाहरी एजेंसियों और उद्योग के साथ मजबूत संबंध स्थापित कर रहा है। उन्होंने संस्थान में मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कम्प्यूटेशनल और सांख्यिकीय जीव विज्ञान, सुरक्षा, क्रिप्टोलॉजी, जलवायु एवं ऊर्जा संबंधी अर्थशास्त्र जैसे कई विशेष क्षेत्रों में कई नए पाठ्यक्रम, अनुसंधान कार्यक्रम और उत्कृष्टता केंद्र शुरू किए हैं।

4. प्रो. बंधोपाध्याय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी और मल्टीऑब्जेक्टिव ऑप्टिमाइजेशन जैसे विषयों में शोध-रुचि रखती हैं। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन और सह-लेखन किया है और पत्रिकाओं, पुस्तक में अध्यायों के लिए चार सौ से अधिक आलेख तथा सम्मेलन की कार्यवाही में लिखी हैं। गूगल स्कॉलर के अनुसार उनका साइटेशन एच-इंडेक्स 57 है। उन्होंने दुनिया भर में कई संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ काम किया है और उनके साथ सहयोग किया है।

5. प्रो. बंधोपाध्याय को इंजीनियरिंग साइंस में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार; टीडब्ल्यूएस पुरस्कार; इंफोसिस पुरस्कार; जेसी बोस फ़ेलोशिप; स्वर्णजयंती फ़ेलोशिप; आईएनआई सिल्वर जुबली पुरस्कार; आईएनआई वूमन इंजीनियर ऑफ द ईयर अवार्ड (अकादमिक); बायोटेक्नोलॉजी विभाग की ओर से राष्ट्रीय महिला जैव वैज्ञानिक पुरस्कार (युवा); आईआईटी खड़गपुर से विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार; जर्मनी से हम्बोल्ट फ़ेलोशिप; आईसीटीपी; इटली से वरिष्ठ एसोसिएटशिप; आईएनएसए; आईएनआई और आईएससीए से युवा इंजीनियर/ वैज्ञानिक पुरस्कार और आईआईटी, खड़गपुर, भारत से डॉ शंकरदयाल शर्मा स्वर्ण पदक और संस्थान रजत सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। वह इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए); नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (एनएसआई); इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियर्स (आईएनई); इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर्स (आईईईई); द वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज (टीडब्ल्यूएस); इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर पैटर्न रिकग्निशन (आईपीआर) और वेस्ट बंगाल एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की फेलो हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर कई शीर्ष स्तर की समितियों में काम किया है और वर्तमान में भारत के प्रधान मंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (पीएम-एसटीआईएसी) की सदस्य के तौर पर कार्य कर रही हैं।